News Items published in Dehradun: 16 to 18 FEB 2023

उच्च शिक्षा विभाग ने यूपीईएस व रूट्स टू रूट्स के साथ किया एमओयू साइन

■ कला संस्कृति एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स तथा भारतीय ज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को मिलाया हाथ

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को दून विश्व. विद्यालय देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआईसी भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग ने गुरुवार को दो बड़े संस्थानों रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली एवं यूपीईएस देहरादून के साथ एमओयू साइन किये। विभाग ने कला संस्कृति एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स तथा भारतीय ज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के लिए रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जबकि यूपीईएस देहरादून के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कौशल विकास पाठ्यक्रमों को एनईपी-2020 के अनुरूप राजकीय महाविद्यालयों में संचालित करने को लेकर अनुबंध किया गया।

उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट का हुआ लोकार्पण

विभागीय मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। डॉ0 रावत ने बताया कि नवीन वेबसाइट एनईपी-2020 के अनुरूप अपडेट की गई है, ताकि विभाग से जुड़ी सभी जानकारियां छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं विभागीय कार्मिकों को एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकें।

दूरस्थ क्षेत्रों की 51 मेधावी छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

विद्या ज्योति स्कॉलरशिप के तहत राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत स्नातकोत्तर की दूरस्थ क्षेत्रों की 51 छात्राओं को ऋषि मिशन खोसला स्कॉलरशिप के अंतर्गत 35-35 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं विधायक धर्मपुर विना. द चमोली ने विभिन्न महाविद्यालयों से आयी छात्राओं शालिनी रौतेला, शिवांगी, साक्षी बेंजवाल, अपर्णा रावत, सिमरन रावत, हिमांशी तिवारी, गीतांजली मेलकानी एवं माधुरी को छात्रवृत्ति के चौक सौंपे। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 163 छात्र-छात्राओं को मुख्य परीक्षा में बेहतर कोचिंग हेतु 50-50 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, साथ ही एनडीए, सीडीएस, ओटीए, आईएनए, आईएएफ के माध्यम से चयनित 148 छात्र-छात्राओं को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

स्मार्ट क्लास पर दिया गया प्रस्तुतिकरण

कार्यशाला में स्मार्ट क्लास डिवाइस के-यान को लेकर आईएल एंड एफएस कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि के-यान एक नॉलेज डिवाइस है जिसे आईआईटी मुम्बई के साथ मिलकर बनाया गया। के-यान एक पोर्टेबल स्मार्ट क्लास साल्यूशन है। जिसमें हाईएंड कम्प्यूटर सिस्टम, प्रोजेक्शन सिस्टम, हाई क्वालिटी ऑडिया-वीडियो स्टिस्म, वर्चुअल इंट्रेक्टिव फीचर सहित इन बिल्ट कैमरा है जो किसी भी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम बना सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें राज्य के पाठ्यक्रमों का पूरा कंटेंट हैं जो ऑडियो-वीडियो माध्यम में उपलब्ध है। अध्यापकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों के लिये यह डिवाइस छात्र-छात्राओं के लिये उपयोगी साबित होगी। यह आसान तरीके के मुश्किल विषयों को समझाने की क्षमता रखता है। इसमें टीचर ट्रैकिंग सिस्टम भी लगा हुआ है ताकि यह पता लगाया जा सकता है कि किस शिक्षक ने कितना पढ़ाया। इस डिवाइस को अब तक देशभर के 70 हजार स्कूलों में लगाया जा चुका है। के-यान स्कूलों के अलावा कम्युनिटी अवेयरनेस कार्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

ई-ग्रंथालय में पंजीकृत होंगे शत-प्रतिशत छात्र-छात्राएं: डॉ. धन सिंह रावत

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । सूबे के राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओ को ई-ग्रंथालय में अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा, ताकि ई-ग्रंथालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न के संसाधन भी उपलब्ध हो सकेंगे। सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों को यह प्रक्रिया को एक माह के भीतर पूर्ण करानी होगी। इसके साथ ही राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्षो से बेकार पडी आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी पुस्तकों को हटाकर नई पुस्तकें खरीदी जायेंगी, साथ ही ई-ग्रंथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप नये पाठ्यक्रम की सभी विषयों की पुस्तकों को अपलोड किया जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज दून विश्वविद्यालय देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआईसी भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस मौके पर डॉ0 रावत ने कहा कि आने वाला समय डिजिटल एजुकेशन का है। हमें भी खुद को इसी के अनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि सूबे के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापना कर दी गई है, जिसमें 21 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं, लेकिन इनका अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं की सख्या अभी काफी कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक माह के भीतर सूबे के सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों मे अध्ययनरत शतप्रतिशत छात्र-छात्राओं का ई-ग्रंथालय में पंजीकरण सुनिश्चित करें। ई-ग्रंथालय में पंजीकरण के उपरांत छात्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न की सामग्री आसानी से उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी संस्थान में छात्र-छात्राओं का पंजीकरण का कार्य पूरा नही होता है तो इसके लिये संबंधित संस्थान के प्राचार्य एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को जिम्मेदार माना जायेगा। डॉ0 रावत ने कहा कि भविष्य में ई-ग्रंथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप तैयार नये पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ ही विभिन्न विषय विशेषज्ञों के शोध पत्रों व उच्च शिक्षा में तैनात शिक्षकों की उपयुक्त पुस्तकों को भी अपलोड किया जायेगा ताकि छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों की अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके। विभागीय मंत्री ने कहा कि विभिन्न महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में हजारों ऐसी पुस्तक उपलब्ध है जो अब आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी है। ऐसी पुस्तकों को वन टाइम सेटेलमेंट के तहत किसी जरूरतमंद अथवा सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान की जायेंगी। पुरानी पुस्तकों के स्थान पर शिक्षण संस्थानों में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप अच्छे लेखक एवं प्रकाशकों की पुस्तके खरीदी जायेंगी। बैठक में विधायक धर्मपुर विनोद चमोली, सलाहकार रूसा प्रो. एम.एस.एम. रावत, प्रो. के.डी. पुरोहित, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, एम.एम. सेमवाल, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 जगदीश प्रसाद, संयुक्त निदेशक ए.एस. उनियाल, डॉ. दीपक पाण्डेय, डॉ. नमन कुमार, एनआईसी के आईटी विशेषज्ञ के नारायण, राम कुमार मतोरिया, एस. के. शर्मा, सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं राजकीय महाविद्याल्यों से आये पुस्तकालयाध्यक्ष व मेधावी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रंथालय कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर शिक्षा मंत्री।

दूरस्थ क्षेत्रों की 51 मेधावी छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । विद्या ज्योति स्कॉलरशिप के तहत राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत स्नातकोत्तर की दूरस्थ क्षेत्रों की 51 छात्राओं को ऋषि मिशन खोसला स्कॉलरशिप के अंतर्गत 35-35 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं विधायक धर्मपुर विनोद चमोली ने विभिन्न महाविद्यालयों से आयी छात्राओं शालिनी रौतेला, शिवांगी, साक्षी बेंजवाल, अपर्णा रावत, सिमरन रावत, हिमांशी तिवारी, गीतांजली मेलकानी एवं माधुरी को छात्रवृत्ति के चैक सौंपे। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 163 छात्र-छात्राओं को मुख्य परीक्षा में बेहतर कोचिंग हेतु 50-50 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, साथ ही एनडीए, सीडीएस, ओटीए, आईएनए, आईएएफ के माध्यम से चयनित 148 छात्र-छात्राओं को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। उच्च शिक्षा विभाग ने आज दो बडे संस्थानों रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली एवं यूपीईएस देहरादून के साथ एमओयू साइन किये। विभाग ने कला संस्कृति एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स तथा भारतीय ज्ञान के क्षेत्र में सहयोग हेतु रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जबकि यूपीईएस देहरादून के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कौशल विकास पाठ्यक्रमों को एनईपी-2020 के अनुरूप राजकीय महाविद्यालयों में संचालित करने को लेकर अनुबंध किया गया।

विभागीय मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। डॉ0 रावत ने बताया कि नवीन वेबसाइट एनईपी-2020 के अनुरूप अपडेट की गई है, ताकि विभाग से जुडी सभी जानकारियां छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एव विभागीय कार्मिकों को एक क्लिक पर उपलब्ध हो सके। कार्यशाला में स्मार्ट क्लास डिवाइस के-यान को लेकर आईएल एंड एफएस कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि के-यान एक नॉलेज डिवाइस है जिसे आईआईटी मुम्बई के साथ मिलकर बनाया गया। के-यान एक पोर्टेबल स्मार्ट क्लास साल्यूशन है। जिसमें हाईएंड कम्प्यूटर सिस्टम, प्रोजेक्शन सिस्टम, हाई क्वालिटी ऑडियो-वीडियो सिस्टम, वर्चुअल इंट्रेक्टिव फीचर सहित इन बिल्ट कैमरा है ।

जो किसी भी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम बना सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें राज्य के पाठ्यक्रमों का पूरा कंटेंट है जो ऑडियो-वीडियो माध्यम में उपलब्ध है।

अध्यापकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों के लिये यह डिवाइस छात्र-छात्राओं के लिये उपयोगी साबित होगी। यह आसान तरीके के मुश्किल विषयों को समझाने की क्षमता रखता है। इसमें टीचर ट्रैकिंग सिस्टम भी लगा हुआ है ताकि यह पता लगाया जा सकता है कि किस शिक्षक ने कितना पढाया। इस डिवाइस को अब तक देशभर के 70 हजार स्कूलों में लगाया जा चुका है। के-यान स्कूलों के अलावा कम्युनिटी अवेयरनेस कार्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2022-23/TN-13 दिनांक : 16.02.2023

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-14-TRD-MB-22-23-I
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल में ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइनों को अंडरग्राउंड केबल से बदलने का कार्य चरण–1
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	13.03.2023 at 15.00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रू)	रू. 66,00,076.60 /– (18% GST सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रू)	रू. 1,32,000 /–
निविदा प्रपत्र मूल्य (रू)	शून्य
ऑफर की वैधता (दिन)	45 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	9 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

514/23
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होली विशे
रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलि

विशेष गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	चलने के
04053	आनन्द विहार ट.	23:00	उधमपुर	13:10	सोम,
04054	उधमपुर	21:30	आनन्द विहार ट.	11:15	मंगल,
04672	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	18:10	नई दिल्ली	06:40	रविवा
04671	नई दिल्ली	23:30	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	12:00	सोमव
04530	बठिण्डा	21:05	वाराणसी	17:30	रवि,
04529	वाराणसी	20:30	बठिण्डा	19:10	सोम,
04052	आनन्द विहार ट.	23:00	वाराणसी	16:10	शुक्र,
04051	वाराणसी	18:30	आनन्द विहार ट.	13:20	शनि,

। और विस्थापन होगा।

वहीं, किराए पर लेकर दुकान चला रहे प्रभावित को एकमुश्त 2 लाख दिए जाएंगे।

मजबूत होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा

ने भाग लिया।

ई-ग्रंथालय में पंजीकृत होंगे शत-प्रतिशत छात्र-छात्राएं: डॉ. धन सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उच्च शिक्षा के पुस्तकालयों में एनईपी के अनुरूप उपलब्ध रहेंगी किताबें ■ विभागीय मंत्री ने किया तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय कार्यशाला का शुभारम्भ

देहरादून। सूबे के राजकीय विश्व विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं को ई-ग्रंथालय में अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा, ताकि ई-ग्रंथालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न के संसाधन भी उपलब्ध हो सकेंगे। सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों को यह प्रक्रिया को एक माह के भीतर पूर्ण करानी होगी। इसके साथ ही राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्षों से बेकार पड़ी आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी पुस्तकों को हटाकर नई पुस्तकें खरीदी जायेंगी, साथ ही ई-ग्रंथाल्य में एनईपी-2020 के अनुरूप नये पाठ्यक्रम की सभी विषयों की पुस्तकों को अपलोड किया जायेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रवत ने गुरुवार को दून विश्वविद्यालय देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआईसी भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैण्ड्सआन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस मौके पर डॉ. रावत ने कहा कि अने वाला समय डिजिटल एजुकेशन का है। हमें भी खुद को इसी के अनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि सूबे के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापन कर दी गई है, जिसमें 21 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं, लेकिन इनका अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या अभी काफी कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक माह के भीतर सूबे के सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत शतप्रतिशत छात्र-छात्राओं का ई-ग्रंथालय में पंजीकरण सुनिश्चित करें। ई-ग्रंथालय में पंजीकरण के उपरांत छत्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के सथ-सथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न की सामग्री आसानी से उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने कहा कि यदि किसी संस्थान में छात्र-छात्राओं का पंजीकरण का कार्य पूरा नहीं होता है तो इसके लिये संबंधित संस्थान के प्राचार्य एवं पुस्तकलयाध्यक्ष को जिम्मेदार माना जायेगा। डॉ0 रावत ने कहा कि भविष्य में ई-ग्रंथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप तैयार नये पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ ही विभिन्न विषय विशेषज्ञों के शोध पत्रों व उच्च शिक्षा में तैनात शिक्षकों की उपयुक्त पुस्तकों को भी अपलोड किया जायेगा ताकि छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों की अध्ययन समग्री आसानी से उपलब्ध हो सके। विभागीय मंत्री ने कहा कि विभिन्न महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में हजारों ऐसी पुस्तक उपलब्ध है जो अब आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी है। ऐसी पुस्तकों को वन टाइम सेटेलमेंट के तहत किसी जरूरतमंद अथवा सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान की जायेंगी, पुरानी पुस्तकों के स्थान पर शिक्षण संस्थानों में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप अच्छे लेखक एवं प्रकाशकों को पुस्तकें खरीदी जायेंगी।

बैठक में विधायक धर्मपुर विनोद चमोली, सलाहकार रूसा प्रो. एम.एस.एम. रावत, प्रो. के.डी. पुरोहित, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, एम.एम. सेमवाल, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 जगदीश प्रसाद, संयुक्त निदेशक ए.एस. उनियाल, डॉ. दीपक पाण्डेय, डॉ. चमन कुमार, एनआईसी के आईटी विशेषज्ञ के नारायण, राम कुमार मलोरिया, एस. के. शर्मा, सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं राजकीय महाविद्यालयों से आये पुस्तकालयाध्यक्ष व मेधावी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ई-ग्रंथालय में पंजीकृत होंगे शत-प्रतिशत छात्र-छात्राएं: डॉ. धन सिंह रावत

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । सूबे के राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओ को ई-ग्रंथालय में अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा, ताकि ई-ग्रंथालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न के संसाधन भी उपलब्ध हो सकेंगे। सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों को यह प्रक्रिया को एक माह के भीतर पूर्ण करानी होगी। इसके साथ ही राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्षों से बेकार पडी आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी पुस्तकों को हटाकर नई पुस्तकें खरीदी जायेंगी, साथ ही ई-ग्रंथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप नये पाठ्यक्रम की सभी विषयों की पुस्तकों को अपलोड किया जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज दून विश्वविद्यालय देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआईसी भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभरम्भ किया। इस मौके पर डॉ0 रावत ने कहा कि आने वाला समग्र डिजिटल एजुकेशन का है। हमें भी खुद को इसी के अनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि सूबे के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ई-ग्रथालय की स्थापना कर दी गई है, जिसमें 21 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध है, लेकिन इनका अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं की सख्या अभी काफी कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक माह के भीतर सूबे के सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों मे अध्ययनरत शतप्रतिशत छात्र-छात्राओं का ई-ग्रंथालय में पंजीकरण सुनिश्चित करें। ई-ग्रंथालय में पंजीकरण के उपरांत छात्र-छात्राओं को कैटलॉगिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठ्न की सामग्री आसानी से उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी संस्थान में छात्र-छात्राओं का पंजीकरण का कार्य पूरा नही होता है तो इसके लिये संबंधित संस्थान के प्राचार्य एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को जिम्मेदार माना जायेगा। डॉ0 रावत ने कहा कि भविष्य में ई-ग्रथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप तैयार नये पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ ही विभिन्न विषय विशेषज्ञों के शोध पत्रों व उच्च शिक्षा में तैनात शिक्षकों की उपयुक्त पुस्तकों को भी अपलोड किया जायेगा ताकि छात्र-छात्राओं को विभिन्न विषयों की अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके। विभागीय मंत्री ने कहा कि विभिन्न महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में हजारों ऐसी पुस्तक उपलब्ध है जो अब आउट ऑफ सिलेबस हो चुकी है। ऐसी पुस्तकों को वन टाइम सेटेलमेंट के तहत किसी जरूरतमंद अथवा सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान की जायेंगी। पुरानी पुस्तकों के स्थान पर शिक्षण संस्थानों में नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप अच्छे लेखक एवं प्रकाशकों की पुस्तके खरीदी जायेंगी। बैठक में विधायक धर्मपुर विनोद चमोली, सलाहकार रूसा प्रो. एम.एस.एम. रावत, प्रो. के.डी. पुरोहित, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, एम.एम. सेमवाल, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 जगदीश प्रसाद, संयुक्त निदेशक ए.एस. उनियाल, डॉ. दीपक पाण्डेय, डॉ. वमन कुमार, एनआईसी के आईटी विशेषज्ञ के नारायण, राम कुमार मतोरिया, एस. के. शर्मा, सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं राजकीय महाविद्यालयों से आये पुस्तकालयाध्यक्ष व मेधावी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रंथालय कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर शिक्षा मंत्री।

दूरस्थ क्षेत्रों की 51 मेधावी छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । विद्या ज्योति स्कॉलरशिप के तहत राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत स्नातकोत्तर की दूरस्थ क्षेत्रों की 51 छात्राओं को ऋषि मिशन खोसला स्कॉलरशिप के अंतर्गत 35-35 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं विधायक धर्मपुर विनोद चमोली ने विभिन्न महाविद्यालयों से आयी छात्राओं शालिनी रौतेला, शिवांगी, साक्षी बेंजवाल, अपर्णा रावत, सिमरन रावत, हिमांशी तिवारी, गीतांजली मेलकानी एवं माधुरी को छात्रवृत्ति के चैक सौंपे। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 163 छात्र-छात्राओं को मुख्य परीक्षा में बेहतर कोचिंग हेतु 50-50 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, साथ ही एनडीए, सीडीएस, ओटीए, आईएनए, आईएएफ के माध्यम से चयनित 148 छात्र-छात्राओं को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। उच्च शिक्षा विभाग ने आज दो बडे संस्थानों रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली एवं यूपीईएस देहरादून के साथ एमओयू साइन किये। विभाग ने कला संस्कृति एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स तथा भारतीय ज्ञान के क्षेत्र में सहयोग हेतु रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली के साथ सम्झौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जबकि यूपीईएस देहरादून के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कौशल विकास पाठ्यक्रमो को एनईपी-2020 के अनुरूप राजकीय महाविद्यालयों में संचालित करने को लेकर अनुबंध किया गया।

विभागीय मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। डॉ0 रावत ने बताया कि नवीन वेबसाइट एनईपी-2020 के अनुरूप अपेडट की गई है, ताकि विभाग से जुडी सभी जानकारियां छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एव विभागीय कार्मिकों को एक क्लिक पर उपलब्ध हो सके। कार्यशाला में स्मार्ट क्लास डिवाइस के-यान को लेकर आईएल एंड एफएस कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि के-यान एक नॉलेज डिवइस है जिसे आईआईटी मुम्बई के साथ मिलकर बनाया गया। के-यान एक पोर्टेबल स्मार्ट क्लास साल्यूशन है। जिसमें हाईएंड कम्प्यूटर सिस्टम, प्रोजेक्शन सिस्टम, हाई क्वालिटी ऑडियो-वीडियो सिस्टम, वर्चुअल इंट्रेक्टिव फीचर सहित इन बिल्ट कैमरा है ।

जो किसी भी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम बना सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें राज्य के पाठ्यक्रमों का पूरा कंटेंट है जो ऑडियो-वीडियो माध्यम में उपलब्ध है।

अध्यापकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों के लिये यह डिवाइस छात्र-छात्राओं के लिये उपयोगी साबित होगी। यह आसान तरीके के मुश्किल विषयों को समझाने की क्षमता रखता है। इसमें टीचर ट्रैकिंग सिस्टम भी लगा हुआ है ताकि यह पता लगाया जा सकता है कि किस शिक्षक ने कितना पढाया। इस डिवाइस को अब तक देशभर के 70 हजार स्कूलों में लगाया जा चुका है। के-यान स्कूलों के अलावा कम्युनिटी अवेयरनेस कार्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2022-23/TN-13 दिनांक : 16.02.2023

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-14-TRD-MB-22-23-I
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल में ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइनों को अंडरग्राउंड केबल से बदलने का कार्य चरण-1
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	13.03.2023 at 15.00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रू)	रू. 66,00,076.60/- (18% GST सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रू)	रू. 1,32,000/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रू)	शून्य
ऑफर की वैधता (दिन)	45 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	9 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

514/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होली विश

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलि

विशेष गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	चलने के
04053	आनन्द विहार ट.	23:00	उधमपुर	13:10	सोम,
04054	उधमपुर	21:30	आनन्द विहार ट.	11:15	मंगल,
04672	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	18:10	नई दिल्ली	06:40	रविवा
04671	नई दिल्ली	23:30	श्री मता वैष्णो देवी कटड़ा	12:00	सोमव
04530	बठिण्डा	21:05	वाराणसी	17:30	रवि,
04529	वाराणसी	20:30	बठिण्डा	19:10	सोम,
04052	आनन्द विहार ट.	23:00	वाराणसी	16:10	शुक्र,
04051	वाराणसी	18:30	आनन्द विहार ट.	13:20	शनि,

ई-ग्रंथालय में पंजीकृत होंगे शत-प्रतिशत विद्यार्थी

उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने दून विवि में तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय कार्यशाला की शुरुआत की

जागरण संवाददाता, देहरादून : राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं को ई-ग्रंथालय में पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा, ताकि इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को कैटलागिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा के साथ-साथ देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्र-पत्रिकाओं सहित अन्य पठन-पाठन के संसाधन भी उपलब्ध हो सकें। सभी राजकीय शिक्षण संस्थानों को यह प्रक्रिया एक माह के भीतर पूर्ण करानी होगी। यदि किसी संस्थान में पंजीकरण का कार्य पूरा नहीं होता है तो इसके लिए प्राचार्य व पुस्तकालयाध्यक्ष को जिम्मेदार माना जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने दून विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआइसी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैंड्सआन प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाला समय डिजिटल एजुकेशन का है। हमें भी खुद को इसी के अनुरूप तैयार करना होगा। राज्य के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापना कर दी गई है, जिसमें 21 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं, लेकिन इनका अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या अभी काफी कम है। राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में वर्षों से बेकार पड़ी आउट आफ सिलेबस हो चुकी पुस्तकों को हटाकर नई पुस्तकें खरीदी जाएंगी। पुरानी पुस्तकों को बन टाइम सेटेलमेंट के तहत किसी जरूरतमंद अथवा सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान किया जाएगा। ई-ग्रंथालय में एनईपी-2020 के अनुरूप नए पाठ्यक्रम की सभी विषयों की पुस्तकों को अपलोड किया जाएगा।

इस अवसर पर धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, सलाहकार रूसा प्रो. एमएसएम रावत, प्रो. केडी पुरोहित, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, एमएम सेमवाल, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. जगदीश प्रसाद, संयुक्त निदेशक एएस उनियाल, डा. दीपक पांडेय, डा. चमन कुमार, एनआइसी के आइटी विशेषज्ञ के नारायण, राम कुमार मतोरिया, एसके शर्मा उपस्थित रहे।

स्मार्ट क्लास पर प्रस्तुतिकरण

कार्यशाला में स्मार्ट क्लास डिवाइस के-यान को लेकर आइएल एंड एफएस कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि के-यान एक नालेज डिवाइस है जिसे आइआइटी मुम्बई के साथ मिलकर बनाया गया है। यह एक पोर्टेबल स्मार्ट क्लास है। जिसमें हाईएंड कंप्यूटर सिस्टम, प्रोजेक्शन सिस्टम, हाई क्वालिटी आडियो-वीडियो सिस्टम, वर्चुअल इंट्रेक्टिव फीचर सहित इन बिल्ट कैमरा है जो किसी भी क्लास रूम को स्मार्ट बना सकता है। इसमें राज्य के पाठ्यक्रमों का पूरा कंटेंट आडियो-वीडियो माध्यम में उपलब्ध है। अध्यापकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों के लिए यह डिवाइस उपयोगी साबित होगी। इस डिवाइस को अब तक देशभर के 70 हजार स्कूलों में लगाया जा चुका है। इसे समुदाय आधारित जागरूकता कार्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

उच्च शिक्षा विभाग एवं एनआइसी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय हैंड्सआन प्रशिक्षण कार्यशाला मेंछात्रा को सम्मानित करते उच्च शिक्षा मंत्री डा.धन सिंह रावत। साथ मेंधर्मपुर विधायक विनोद चमोली ● जागरण

उच्च शिक्षा विभाग का यूपीईएस व रूट्स टू रूट्स के साथ हुआ एमओयू

उच्च शिक्षा विभाग ने दो बड़े संस्थान रूट्स टू रूट्स नई दिल्ली एवं यूपीईएस देहरादून के साथ एमओयू किया है। विभाग ने कला संस्कृति एवं परफार्मिंग आर्ट्स और भारतीय ज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के लिए रूट्स टू रूट्स के साथ अनुबंध किया है। जबकि यूपीईएस के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कौशल विकास पाठ्यक्रमों को एनईपी-2020 के अनुरूप राजकीय महाविद्यालयों में संचालित करने को लेकर अनुबंध किया गया।

विभाग की वेबसाइट लांच

विभागीय मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट भी लांच की। उन्होंने बताया कि नवीन वेबसाइट एनईपी-2020 के अनुरूप अपेडट की गई है, ताकि विभाग से जुड़ी सभी जानकारियां छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं विभागीय कार्मिकों को एक क्लिक पर उपलब्ध हो सके।

51 मेधावी छात्राओं को मिली स्कालरशिप

विद्या ज्योति स्कालरशिप के तहत राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत स्नातकोत्तर की दूरस्थ क्षेत्रों की 51 छात्राओं को ऋषि मिशन खोसला स्कालरशिप के अंतर्गत 35-35 हजार की छात्रवृति प्रदान की गई। संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 163 छात्र-छात्राओं को मुख्य परीक्षा में बेहतर कोचिंग के लिए 50-50 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। एनडीए, सीडीएस, ओटीए, आइएनए, आइएएफ के माध्यम से चयनित 148 छात्र-छात्राओं को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

वैश्विक शक्ति का बड़ा आधार ज्ञान आधारित समाज : सुरेखा

देहरादून। वैश्विक शक्ति का बड़ा आधार ज्ञान आधारित समाज है। यह कहना है दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल का। उन्होंने यह बात ई-ग्रंथालय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन पर कही। उन्होंने कहा किसी भी संस्थान की जीवंतता उसके पुस्तकालय में निहित होती है।

दून विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में कुलपति ने कहा वर्तमान समय में पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण की जरूरत है। नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार ने ई-ग्रंथालय के भविष्य की योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अगले चरण में विद्यार्थियों व शिक्षक के पंजीकरण के साथ कॉपीराइट फ्री टेक्स्ट बुक्स, लघु शोध एवं पिछले वर्षो के परीक्षा पत्र को पोर्टल पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे।

संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. एएस उनियाल ने समाज के लिए उपयोगी कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा इसके लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। एनआईसी देहरादून से विषय विशेषज्ञ चंचल गोयल ने ई-ग्रंथालय के विभिन्न मॉड्यूल पर व्याख्यान दिया। सह नोडल अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक प्रो. दीपक कुमार पांडेय ने किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ एसके शर्मा, उपनिदेशक उच्च शिक्षा डॉ. ममता ड्युंडी नैथानी, सहायक निदेशक डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. रमेश चौहान, दिनेश कुमार, मनीष, स्वाति, कुलदीप, राम कुमार, संजीव, धीरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे। मा.सि.रि.

देहरादून के दून विवि में ई-ग्रंथालय पर हुई कार्यशाला में शनिवार को प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देतीं कुलपति सुरेखा डंगवाल।

ज्ञान आधारित समाज ही देश को बनाएगा वैश्विक शक्तिः सुरेखा

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। ज्ञान पर आधारित समाज देश को वैश्विक शक्ति बना सकता है। इसके लिए पुस्तकालय सबसे बड़ा आधार है। किसी भी संस्थान की जीवंतता उसके पुस्तकालय में निहित होती है। यह बात दून विवि की वीसी प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने शनिवार को ई-ग्रंथालय पर तीन दिनी कार्यशाला के समापन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा, इस तरह की कार्यशाला पुस्तकालय को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर आमजन से रिश्ता बना सकती है। आज विश्व में ज्ञान आधारित शक्ति संरचना प्रभावी भूमिका निभा रही है। हमें संस्थाओं को मजबूत करना होगा। एनआईसी से राम कुमार मटोरिया ने तीन दिन तक लाइब्रेरी, ई-रिसोर्सेज को लेकर विभिन्न मॉड्यूल पर व्याख्यान दिया। जबकि, एनआईसी देहरादून से विषय विशेषज्ञ के रूप में चंचल गोयल ने भी ई-ग्रंथालय के विभिन्न मॉड्यूल पर ट्रेनिंग दी। इस दौरान संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. एएस उनियाल, नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार, डॉ. शैलेंद्र सिंह, सहायक निदेशक प्रो. दीपक कुमार पांडेय, एसके शर्मा, उपनिदेशक उच्च शिक्षा डॉ. ममता नैथानी, सहायक निदेशक डॉ. कुलदीप सिंह, दून विवि के लाइब्रेरियन डॉ. आशीष कुमार और डॉ. रमेश चौहान मौजूद रहे।

देहरादून के दून विवि में ई-ग्रंथालय पर हुई कार्यशाला में शनिवार को प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देतीं कुलपति सुरेखा डंगवाल।

ज्ञान आधारित समाज ही देश को बनाएगा वैश्विक शक्तिः सुरेखा

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। ज्ञान पर आधारित समाज देश को वैश्विक शक्ति बना सकता है। इसके लिए पुस्तकालय सबसे बड़ा आधार है। किसी भी संस्थान की जीवंतता उसके पुस्तकालय में निहित होती है। यह बात दून विवि की वीसी प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने शनिवार को ई-ग्रंथालय पर तीन दिनी कार्यशाला के समापन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा, इस तरह की कार्यशाला पुस्तकालय को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर आमजन से रिश्ता बना सकती है। आज विश्व में ज्ञान आधारित शक्ति संरचना प्रभावी भूमिका निभा रही है। हमें संस्थाओं को मजबूत करना होगा। एनआईसी से राम कुमार मटोरिया ने तीन दिन तक लाइब्रेरी, ई-रिसोर्सेज को लेकर विभिन्न मॉड्यूल पर व्याख्यान दिया। जबकि, एनआईसी देहरादून से विषय विशेषज्ञ के रूप में चंचल गोयल ने भी ई-ग्रंथालय के विभिन्न मॉड्यूल पर ट्रेनिंग दी। इस दौरान संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. एएस उनियाल, नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार, डॉ. शैलेंद्र सिंह, सहायक निदेशक प्रो. दीपक कुमार पांडेय, एसके शर्मा, उपनिदेशक उच्च शिक्षा डॉ. ममता नैथानी, सहायक निदेशक डॉ. कुलदीप सिंह, दून विवि के लाइब्रेरियन डॉ. आशीष कुमार और डॉ. रमेश चौहान मौजूद रहे।

पुस्तकालयों को आधुनिक व तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की जरूरत

देहरादून, 18 फरवरी (स.ह.): उच्च शिक्षा विभाग की ओर से ई-ग्रंथालय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला व प्रशिक्षण को प्रतिभागियों ने लाइब्रेरी संचालन के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि सरकार द्वारा ई-ग्रन्थालय के माध्यम से पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और रिसोर्सेज शेयरिंग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

शनिवार को दून विवि सीनेट हॉल में आयोजित समापन सत्र में मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि किसी भी संस्थान की जीवंतता उसके पुस्तकालय में निहित होती है। इसलिए पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण व तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की जरूरत है। कहा कि कार्यशाला विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में एनआईसी के राम कुमार मटोरिया व

ई-ग्रंथालय पर तीन दिवसीय कार्यशाला

चंचल गोयल ने लाइब्रेरी और ई-रिसोर्सेज को लेकर विभिन्न मॉड्यूल पर व्याख्यान दिया। संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. एएस उनियाल ने समाज के लिए उपयोगी कार्य करने पर जोर दिया और इसमें सभी को अपनी भूमिका का निर्वहन करने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. चमन कुमार ने ई ग्रंथालय के भविष्य की योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगले चरण में विद्यार्थियों व शिक्षक के पंजीकरण के साथ-साथ कॉपीराइट, फ्री टेक्स्ट बुक्स, लघु शोध व पिछले वर्षों के परीक्षा प्रश्न पत्र को पोर्टल पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक प्रो. दीपक कुमार पांडेय ने किया। इस दौरान विषय विशेषज्ञ एसके शर्मा, उप निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. ममता नैथानी, सहायक निदेशक डॉ. कुलदीप सिंह, दून विवि के लाइब्रेरियन डॉ. आशीष कुमार, डॉ. रमेश चौहान, आदि मौजूद रहे।

पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण की जरूरतः प्रो.डंगवाल

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करती कुलपति प्रो.सुरेखा डंगवाल।

ई-ग्रंथालय पर तीन दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

दून विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा ई-ग्रंथालय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला व प्रशिक्षण सम्पन्न हो गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला की सराहना करते हुए लाइब्रेरी संचालन के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ई-ग्रन्थालय के माध्यम से पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और रिसोर्सेज शेयरिंग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

शनिवार को सीनेट हाल में आयोजित समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि दून विवि की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने कहा कि किसी भी संस्थान की जीवंतता उसके पुस्तकालय में निहित होती है। इसलिए पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण व तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में एनआईसी के राम कुमार मटोरिया व चंचल गोयल ने लाइब्रेरी और ई- रिसोर्सेज को लेकर विभिन्न माड्यूल पर व्याख्यान दिया। साथ ही प्रशिक्षण भी दिया। संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो.एएस उनियाल ने समाज के लिए उपयोगी कार्य करने पर जोर दिया और इसमें सभी को अपनी भूमिका का निर्वहन करने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डा.चमन कुमार ने ई ग्रंथालय के भविष्य की योजना पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि अगले चरण में विद्यार्थियों व शिक्षक के पंजीकरण के साथ-साथ कापीराइट, फ्री टेक्स्ट बुक्स, लघु शोध एवं पिछले वर्षो के परीक्षा प्रश्न पत्र को पोर्टल पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। सह नोडल अधिकारी डा.शैलेंद्र सिंह ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक प्रो.दीपक कुमार पाण्डेय ने किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

इस अवसर विषय विशेपज्ञ एसके शर्मा, उपनिदेशक उच्च शिक्षा डा.ममता ड्यूंडी नैथानी, सहायक निदेशक डा.कुलदीप सिंह, दून विवि के लाइब्रेरियन डा.आशीष कुमार, डा.रमेश चौहान, दिनेश कुमार, मनीष, स्वाति, कुलदीप, राम कुमार, संजीव, धीरेन्द्र रावत समेत अनेक लोग मौजूद थे।